# उत्तराखण्ड में त्रिस्तरीय चुनाव और महिला सशक्तिकरण विकासखण्ड भीमताल के विशेष सन्दर्भ में

***डॉ0 हेमा देवी**
****प्रो0 राजेश्वरी पंत**

उत्तराखण्ड समाज में महिलाओं की सशक्त भूमिका रही है वह सिर्फ गृहस्थी तक ही सीमित नहीं रहती बल्कि समाज के परिवर्तन में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 60 के दशक में ठगुली देवी उर्फ टिंचरी माई का षराब विरोधी आन्दोलन, 70 के दशक में रैणी गाँव की गौरा देवी का चिपको आन्दोलन तथा 90 के दशक का उत्तराखण्ड आन्दोलन में हिंसा धनाई, बेलमती चौहान आदि का बलिदान समूचा उत्तराखण्ड कभी नहीं भूल सकता। उत्तराखण्ड की स्थापना के बाद यहां की महिलाओं के जीवन में बदलाव आ रहा है। वर्ष 2001 को महिला सशक्तिकरण का वर्श घोशित किया गया था। महिला सषक्तिकरण के कई निहितार्थ है। आर्थिक अवसर, सम्पत्ति अधिकार, राजनीतिक प्रतिबन्ध, सामाजिक समानता और व्यक्तिगत अधिकार इत्यादि। इस विस्तश्त धारणा को भारतीय महिला के सन्दर्भ में चरितार्थ करने के लिए उन्हें आर्थिक परिदष्य पर सशक्त व स्वावलम्बी करना अत्यन्त आवश्यक है। फलतः महिला को सम्पत्ति रखने और उत्तराधिकारी बनने का पूरा अधिकार है।

उत्तराखण्ड समाज में महिलाओं को अर्थव्यवस्था का मेरूदण्ड कहा जाता है। ऐसी स्थिति क्यों है? महिलाओं गष्हस्थी तथा बाहर के समस्त कार्य क्यों करने पड़ते हैं? इस सन्दर्भ में कहा जा सकता है कि उत्तराखण्ड की भौगोलिक परिस्थतियों में महिलाएं परिवार चलाने के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियों में संलग्न रही है। अतः उन्हें पर्दे में रहकर घर पर बैठाये रखना कभी भी सम्भव नहीं था। भरण–पोषण हेतु शिकार वन्य उपज संग्रह पशुचारण व अन्य आर्थिक गतिविधियां कषि उत्पादन के अन्तराल को पूर्ण करने हेतु अनिवार्य रही, ऐसे में जहां भारी श्रम व जोखिम युक्त कार्य पुरूश के भाग में आये वहीं घर चलाने के साथ–साथ अपेक्षाकष्त सरल कृषि व पशुपालन कार्य महिलाओं के हिस्से में आये।[1] घर के पुरूशों का शिकार अथवा पशुपालन पर निकलने के समय खेती की देखभाल के लिए महिलाओं को घर से निकलना पड़ा पुनः पानी की व्यवस्था के लिए भी उन्हें काफी दूर तक जाना पड़ता है। जल के एकमात्र साधन प्राकषतिक स्रोत था। अपने इन सब दायित्वों के कठिन भौगोलिक परिस्थतियों को निभाते हुए महिलाएं पर्दे के पीछे छिपी नहीं रह सकती है। अर्थव्यवस्था के स्वरूप निर्धारण ने जब व्यापार अथवा नौकरी के लिए पुरूषों को घर से बाहर भेज दिया तो पुरूषों की अनुपस्थिति में परिवार की समस्त जिम्मेदारी पूर्ण करने का भार भी महिलाओं को ही निभाना पड़ा। ऐसे में उनकी सामाजिक अन्तः क्रिया बढ़ना स्वभाविक था।[1]

## शोध प्रविधि–

प्रस्तुत शोध पत्र प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों स्रोतों पर आधारित है। प्राथमिक स्रोत के अन्तर्गत जिला पंचायत कार्यालय नैनीताल से आंकड़ों को एकत्रित करके उनको विश्लेषित किया गया है। तथा द्वितीयक स्रोतों के अन्तर्गत षोध पत्र के विषय से सम्बन्धित पुस्तक, शोध पत्रिकाओं के माध्यम से शोध पत्र को पूर्ण करने में सहायता ली गयी है।

## शोध उद्देश्य–

1– महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना।

2– त्रिस्तरीय चुनाव में महिलाओं को अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व प्रदान करना।

3– महिलाओं की शिक्षा को अधिक से अधिक बढ़ावा देना।

*राजनीति विज्ञान विभाग,डी.एस.बी. परिसर नैनीताल
**राजनीति विज्ञान विभाग,डी.एस.बी. परिसर नैनीताल

इस प्रकार त्रिस्तरीय चुनाव में महिलाओं की भागीदारी को निम्नलिखित तालिकाओं के माध्यम से स्पष्ट किया गया है।

**तालिका संख्या–1**

**विकासखण्ड भीमताल के जिला पंचायत सदस्यों का विवरण वर्ष–2014[2]**

| क्र. सं. | जिला पंचायत क्षेत्र का नाम | आरक्षण का वर्ग | स्त्री–पुरूष का विवरण | शैक्षिक योग्यता | व्यवसाय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | चापड़ | सामान्य | पुरूष | एम.ए. बी.एड | कृषि |
| 2 | अमेल | अनु. जाति | पुरूष | एम.ए. | कृषि |
| 3 | सिमलखाँ | सामान्य | महिला | बी. ए. | कृषि |
| 4 | भवाली गाँव | अनु. जाति | महिला | एम.ए. | कृषि |
| 5 | जगलियागाँव | सामान्य | महिला | साक्षर | कृषि |
| 6 | महरागाँव | सामान्य | पुरूष | पीएच. डी. | कृषि |
| 7 | ज्योलिकोट | सामान्य | पुरूष | बी. ए. | कृषि |
| 8 | अमृतपुर | सामान्य | महिला | इन्टर | गृहणी |
| 9 | ग्हना | सामान्य | पुरूष | बी. ए. | कृषि |
| 10 | दाड़िमा | सामान्य | महिला | हाईस्कूल | कृषि |
| 11 | सूपी | सामान्य | महिला | 8 | कृषि |
| 12 | सिवालापुर पाण्डे | सामान्य | महिला | हाईस्कूल | कृषि |
| 13 | चिल्किया | अनु. जाति | महिला | एम.ए. | कृषि |
| 14 | मालधनचौड़ | अनु. जाति | पुरूष | हाईस्कूल | कृषि |
| 15 | तलिया | अनु. जाति | पुरूष | बी. ए. | कृषि |
| 16 | दोहनिया | सामान्य | पुरूष | बी. ए. | कृषि |
| 17 | गुलजारपुर बंकी | सामान्य | पुरूष | हाईस्कूल | कृषि |
| 18 | ग्बुआ | सामान्य | महिला | 8 | कृषि |
| 19 | ककोट | सामान्य | पुरूष | स्नातकोत्तर | कृषि |
| 20 | बड़ौन | सामान्य | पुरूष | इन्टर | कृषि |
| 21 | ओखलकाण्डा गल्ला | अनु. जाति | पुरूष | हाईस्कूल | कृषि |
| 22 | ढोलीगाँव | सामान्य | पुरूष | इन्टर | कृषि |
| 23 | दीनीतल्ली | सामान्य | महिला | बी.ए. | कृषि |
| 24 | स्रना | सामान्य | महिला | 8 | कृषि |
| 25 | चोरगलिया आमखेड़ा | अनु. जाति | पुरूष | 8 | कृषि |
| 26 | बिठोरिया | सामान्य | महिला | इन्टर | कृषि |
| 27 | मुखानी | पि.जा | महिला | इन्टर | कृषि |
| 28 | हिम्मतपुर तल्ला | सामान्य | पुरूष | बी.ए. | कृषि |
| 29 | कुसुमखेड़ा | अनु. जाति | महिला | एम.ए. | गृहणी |
| 30 | हल्द्वानी तल्ली | अनु. जाति | महिला | एम.ए. बी.एड. | गृहणी |
| 31 | जग्गीबंगर बमेठा | सामान्य | महिला | बी.ए. | गृहणी |

स्रोत–जिला पंचायत कार्यालय नैनीताल से प्राप्त आंकड़े।

उपरोक्त तालिका के आधार पर अवलोकन करने से ज्ञात होता कि वर्ष 2014 में त्रिस्तरीय चुनाव में विकासखण्ड भीमताल के जिला पंचायत सदस्यों में महिलाओं ने पुरूषों की अपेक्षा अधिक प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है। जिसमें महिलाओं ने 51.6 प्रतिषत तथा पुरूषों ने 48.3 प्रतिशत प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है। इससे यह ज्ञात होता है कि वर्तमान समय में महिलाएं भी राजनीति के क्षेत्र में पुरूषों से पीछे नहीं हैं।

इस प्रकार उपरोक्त तालिका का विश्लेषण करने पाया गया कि वर्तमान समय में महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने लगी हैं तथा अपने घर के कार्यों से कुछ समय निकालकर समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

**तालिका संख्या–2**

**विकासखण्ड भीमताल के क्षेत्र पंचायत सदस्यों का विवरण वर्श–2014[3]**

| क्र.सं. | क्षेत्र पंचायत का नाम | प्रत्याषी का विवरण | आरक्षण का वर्ग | शैक्षिक योग्यता |
|---|---|---|---|---|
| 1 | जंगलियागांव वार्ड(1–9) | महिला | अनु. जाति | साक्षर |
| | मलुवाताल वार्ड(1–5) | | | |
| | हरिनगर जंगलियागांव वार्ड(1–9) | | | |
| 2 | थपलिया मेहरागांव वार्ड(1–7) | महिला | सामान्य | इण्टर |
| | नौल वार्ड(1–7) | | | |
| 3 | खेरोलापाण्डे वार्ड(1–5) | पुरूष | सामान्य | इण्टर |
| | शिलौटी पंत वार्ड(1–5) | | | |
| | चनौती वार्ड(1–5) | | | |
| 4 | पाण्डेगांव वार्ड(1–9) | महिला | सामान्य | साक्षर |
| 5 | अल्चौना वार्ड(1–9) | पुरूष | अनु. जाति | इण्टर |
| 6 | चकबहेड़ी वार्ड(1–7) | पुरूष | सामान्य | इण्टर |
| | हैंड़ियागांव वार्ड(1–5) | | | |
| 7 | सौनगांव वार्ड(1–5) | महिला | सामान्य | 8 |
| | सांगुड़ीगांव वार्ड(1–5) | | | |
| 8 | सलड़ी वार्ड(1–9) | महिला | सामान्य | स्नातक |
| | ढुंगसिल वार्ड(1–7) | | | |
| 9 | जन्तवाल गाँव वार्ड(1–7) | महिला | सामान्य | साक्षर |
| 10 | भक्त्यूड़ा वार्ड(1–7) | महिला | अनु. जाति | स्नातक |
| 11 | मेहरागॉव वार्ड(1–11) | महिला | सामान्य | स्नातकोत्तर |
| 12 | ल्वेषाल वार्ड(1–7) | महिला | सामान्य | इण्टर |
| | कहलक्वीरा वार्ड(1–7) | | | |
| 13 | नगारीगाँव वार्ड(1–9) | महिला | अनु. जाति | हाईस्कूल |
| 14 | भूमियाधार वार्ड(1–5) | महिला | अनु. जाति | इण्टर |
| 15 | भूमियाधार वार्ड(6–11) | पुरूष | अनु. जाति | स्नातक |
| 16 | गेठिया वार्ड(1–6) | महिला | सामान्य | स्नातकोत्तर |
| 17 | गेठिया वार्ड(7–9) | पुरूष | अनु. जाति | इण्टर |
| | बेलुवाखान वार्ड(1–3) | | | |
| 18 | बेलुवाखान वार्ड(4–8) | पुरूष | सामान्य | हाईस्कूल |
| 19 | बेलुवाखान वार्ड(9–13) | महिला | अनु. जाति | हाईस्कूल |
| 20 | खुर्पाताल वार्ड(1–9) | महिला | पि0 जाति | हाईस्कूल |
| 21 | अधौड़ा वार्ड(1–7) | पुरूष | सामान्य | साक्षर |
| | बजून वार्ड(1–7) | | | |
| 22 | थापला वार्ड(1–5) | महिला | सामान्य | इण्टर |
| | रौखड़ वार्ड(1–5) | | | |
| | जलालगॉव वार्ड(1–6) | | | |
| 23 | नलनी वार्ड(1–7) | पुरूष | सामान्य | एम.ए. एल.एल.एम |
| | खमारी वार्ड(1–5) | | | |
| 24 | मंगोली वार्ड(1–7) | महिला | अनु. जाति | साक्षर |
| | गहलना वार्ड(1–5) | | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 25 | देवीधूरा वार्ड(1–7) | महिला | सामान्य | साक्षर |
| | बोहरागाँव वार्ड(1–5) | | | |
| 26 | सड़ियाताल वार्ड(1–5) | महिला | अनु. जाति | साक्षर |
| | भल्यूटी वार्ड(1–7) | | | |
| 27 | चोपड़ा वार्ड(1–9) | महिला | सामान्य | स्नातक |
| | ज्योली वार्ड(1–5) | | | |
| 28 | बेल वार्ड(1–5) | महिला | सामान्य | साक्षर |
| | नाईसेला वार्ड(1–5) | | | |
| 29 | सूर्यागाँव वार्ड(1–7) | पुरूष | अनु. जाति | इण्टर |
| | दोगड़ा वार्ड(1–7) | | | |
| | बल्यूटी वार्ड(1–5) | | | |
| 30 | रानीबाग वार्ड(1–6) | पुरूष | सामान्य | इण्टर |
| 31 | अमृतपुर वार्ड(1–9) | महिला | अनु. जाति | 5 |
| 32 | अमिया वार्ड(1–7) | पुरूष | अनु. जाति | हाईस्कूल |
| | डहरा वार्ड(1–5) | | | |
| 33 | रौशिल वार्ड(1–7) | पुरूष | अनु. जाति | हाईस्कूल |
| | पसौली वार्ड(1–5) | | | |
| 34 | ओखलढुंगा वार्ड(1–7) | महिला | अनु. जाति | इण्टर |
| | पनियामेहता वार्ड(1–5) | | | |
| | पनियाबोर वार्ड(1–5) | | | |
| | गुमालगाँव वार्ड(1–5) | | | |
| 35 | स्यूड़ा वार्ड(1–5) | पुरूष | सामान्य | इण्टर |
| 36 | हैड़ाखान वार्ड(1–5) | पुरूष | सामान्य | इण्टर |
| 37 | भौर्षा वार्ड(1–7) | महिला | सामान्य | स्नातक |
| | पस्तोला वार्ड(1–5) | | | |
| | उडुवा वार्ड(1–5) | | | |
| 38 | बानना वार्ड(1–9) | पुरूष | सामान्य | स्नातकोत्तर |
| 39 | पनरौ वार्ड(1–7) | पुरूष | सामान्य | इण्टर |
| 40 | रानीबाग वार्ड(1–9) | महिला | अनु. जाति | स्नातक |

स्रोत–जिला पंचायत कार्यालय नैनीताल से प्राप्त आंकड़े।

उपरोक्त तालिका के आधार पर अवलोकन करने से ज्ञात होता कि वर्ष 2014 में त्रिस्तरीय चुनाव में विकासखण्ड भीमताल के क्षेत्र पंचायत सदस्यों में महिलाओं ने पुरूषों की अपेक्षा अधिक प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है। जिसमें महिलाओं ने 60 प्रतिशत तथा पुरूषों ने 40 प्रतिशत प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।